तहक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक नाबार्ड के पास अपनी अधिशेष पूंजी को रख सकें या फिर इस प्रयोजन के लिए विशेष संघीय किस्म के अभिकरण का गठन किया जाए ताकि अधिक लाभ वाली परिसंपत्तियों के लिए निवेश किया जा सके । नाबार्ड ने दिसम्बर, 1992 में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों से कहा था कि यद्यपि, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों द्वारा लक्ष्य समूहों और कमजोर वर्गों पर ध्यान केन्द्रित रखा जाएगा । तथापि, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों अपने विवेक के अनुसार अपने बुद्धिशील ऋण के 40% से अनधिक भाग और लक्ष्यगत समूह के वित्तपोषण पर लगा सकते हैं । उनसे कहा गया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि इस प्रकार के ऋण केवल उत्पादक और विकास के प्रयोजनार्थ हों और सामान्य बैंकिंग मानदंडों के अधीन हों । सरकार ने क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की पुनः संरचना के लिए विचार-विमर्श प्रारंभ कर दिया है ।

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों द्वारा जुटाई गई जमा राशियां और संवितरित ऋण राशियां निम्नलिखित हैं :—

(लाख रुपए)

मार्च के अंत में जमा राशियां		
1990	1991	1992
115367	144081	165260

(लाख रुपए)

(अप्रैल-मार्च) के दौरान संवितरित ऋण		
1989–90	1990–91	1991–92
18803	18478	19471

Import of Mercedez Car

2560. SHRI ANANTRAY DEVSHANKER DAVE: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) the details of persons who imported Mercedez D-240 cars from Japan during the year 1984-85;

(b) the price of the cars as per the invoice and customs duty paid by each;

(c) in which manner the customs duty is valued on optional accessories in the absence of invoice; and

(d) in what cases and on what criteria the world catalogue price is taken into consideration for assessing the customs duty and what is the rationale behind it?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE SHRI (M. V. CHANDRASHEKHAR MURTHY): (a) and (b) As per the information available with the government, there were no imports of Mercedez D-240 cars from Japan during 1934. Efforts are being made to collect the information for the period 1st January, to 31st March, 1985.

(c) Valuation of optional accessories of cars is done in terms of the provisions of Section 14 of the Customs Act, 1962 read with Customs Valuation (Determination of Value of Imported Goods) Rules, 1988 framed thereunder, which also provide for valuation in cases where invoice is not available.

(d) Assessment of value of motor vehicles in relation to manufacturer's price list/world car catalogue is resorted to where assessment cannot be made in terms of Rules 4, 5, 6 & 7 of the Customs Valuation (Determination of Value of Imported Goods) Rules, 1988. The manufacturer's price list/world car catalogue price represents the most authentic and reasonable basis for arriving at the assessable value of motor-vehicles.